प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

अप्प दीपो भव का सिद्धांत है व्यक्तित्व विकास का सूत्र' रूडॉ वीरेंद्र कुमार

व्यक्तित्व विकास हेतु संप्रेषण कौशल विषयक पर पांच–दिवसीय कार्यशाला का समापन समारोह गृह विज्ञान महाविद्यालय के संसाधन प्रबंधन एवं उपभोक्ता विज्ञान विभाग में संपन्न हुआ। नाहेप पंतनगर द्वारा वित्त पोषित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को संप्रेषण कला के वैज्ञानिक सिद्धांतों एवं मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से परिचित कराते हुए उनके भीतर साहस एवं आत्मविश्वास का संचार करना था। सेल्फ मोटिवेशन, प्रिंसिपल्स ऑफ इफेक्टिव कम्युनिकेशन, पब्लिक स्पीकिंग, ग्रुप डिस्कशन, कंटेंट क्रिएशन, ऑर्गेनाइजेशन तथा प्रभावी संप्रेषण कौशल आदि के बारे में इंटरएक्टिव सेशन के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम समन्वयक डा. छाया शुक्ला ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके बेहतर भविष्य के लिए कम्युनिकेशन कौशल को पुरस्कृत किए जाने के साथ–साथ राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की आवेदन प्रक्रिया, अहर्ता, अधिमानी अर्हता, इंटरव्यू प्रक्रिया, आवेदन करते समय की जाने वाली सामान्य गलतियां तथा उनका निवारण, आरक्षण नीति आदि के बारे में जानकारी दी गई। तीन विशेष विशेषज्ञों डा. स्नेहा दोहरे, श्री संजय शर्मा तथा डा. वीरेंद्र कुमार ने पांच दिवसीय इस कार्यशाला में कल 22 घंटे विद्यार्थियों के साथ सतत एक्टिव इंटरेक्शन कर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। समापन समारोह में महाविद्यालय की अधिष्ठाता डा. अल्का गोयल, पूर्व निदेशक संचार डा. वीरेंद्र कुमार, अधिष्ठाता कृषि व्यवसाय एवं प्रबंधन महाविद्यालय डा. जादौन, अधिष्ठाता स्नातकोत्तर महाविद्यालय एवं कुलसचिव डा. के.पी. रावेरकर, विभाग अध्यक्ष डा. अदिति वत्स, डा. सीमा क्वात्रा, डा. दिव्या सिंह, डा. सुनीता शर्मा, डा. संध्या रानी, श्री टी.ए. खस्तगीर, डा. शेफाली आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अधिष्ठात्री डा. अल्का गोयल ने उन्हें आने वाले जीवन के लिए कड़ा परिश्रम एवं लक्ष्य लेकर चलने को कहा। उन्होंने कहा की विद्यार्थी धैर्य एवं संयम के साथ निष्ठा पूर्वक अपने पाठ्यक्रम को पढ़ने के साथ–साथ महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न को–करिकुलर और एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में समय–समय पर प्रतिभाग कर अपने व्यक्तित्व का विकास करें ताकि वह आने वाले समय में सफलता के उच्चतम आयामों को छू सकें।

कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ डा. बी कुमार ने सॉफ्ट स्किल, हार्ड स्किल्स एवं भाषा विन्यास, बॉडी लैंग्वेज आदि विषयों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को स्व का ज्ञान अर्जित करने के लिए प्रेरित किया। कार्यशाला के अंत में विद्यार्थियों द्वारा अपना फीडबैक प्रस्तुत करते हुए इस बात पर बल दिया गया कि यह कार्यशाला उनके व्यक्तित्व विकास में मील का पत्थर साबित हुई है। आने वाले समय में भी इस तरीके के अन्य कार्यक्रम आयोजित कराए जाते रहने चाहिए जिससे वे लाभान्वित हो। इस कार्यक्रम में कुल 62 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिन्हें सफल प्रतिभागी हेतु सर्टिफिकेट प्रदान किये गये। धन्यवाद ज्ञापन डा. किरण राणा सह प्राध्यापक तथा इस कार्यशाला की सहसंयोजक द्वारा किया गया।

विद्यार्थियों के साथ अधिकारीगण।

निदेशक संचार